नव भारत
| संस्थापक : स्व. रामगोपाल माहेश्वरी | प्रेरणा स्त्रोत : स्व. प्रफुल्ल माहेश्वरी |

तेल पर कब्जे के लिए अमेरिका की दादागिरी

वेनेजुएला का घटनाक्रम केवल किसी एक देश की आंतरिक राजनीतिक उठापटक नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय राजनीति के उस नंगे यथार्थ को उजागर करता है, जहां संसाधन,विशेषकर तेल,अक्सर लोकतंत्र, संप्रभुता और अंतरराष्ट्रीय कानून से कहीं अधिक निर्णायक साबित होते हैं. वेनेजुएला में अमेरिकी सैन्य कार्रवाई और राष्ट्रपति निकोलस मादुरो की गिरफ्तारी ने यही कठोर सत्य एक बार फिर सामने ला दिया है कि वैश्विक भू-राजनीति में 'हस्तक्षेप' अक्सर मानवीय चिंता या लोकतांत्रिक मूल्यों के नाम पर होता है, लेकिन उसके पीछे ऊर्जा-सुरक्षा और भू-आर्थिक हित अधिक प्रबल होते हैं.

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा मादुरो को 'नार्को-टेररिज्म' के आरोपों में पकड़कर बाहर ले जाने और वेनेजुएला के 'अस्थायी संचालन' की घोषणा न केवल अंतरराष्ट्रीय कानून की सीमाओं को चुनौती देती है, बल्कि यह प्रश्न भी उठाती है कि किसी संप्रभु राष्ट्र की राजनीतिक व्यवस्था तय करने का अधिकार आखिर किसे है. यह अमेरिका के दादागिरी नहीं है तो क्या है ? दरअसल,यह कार्रवाई संयुक्त राष्ट्र जैसे वैश्विक मंचों की प्रासंगिकता पर भी प्रश्नचिह्न लगाती है. यदि कोई शक्तिशाली देश अपनी सैन्य क्षमता के बल पर किसी सरकार को अपदस्थ कर सकता है, तो फिर अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था की वैधता और संतुलन का क्या अर्थ रह जाता है ? वेनेजुएला की सुप्रीम कोर्ट द्वारा उपराष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज को कार्यवाहक राष्ट्रपति नियुक्त करना और इसे 'संप्रभुता की रक्षा' के रूप में प्रस्तुत करना, इस बात का संकेत है कि देश की संस्थाएं इस हस्तक्षेप को आक्रमण के रूप में देख रही हैं. लेकिन बड़ा सवाल यह है कि क्या वेनेजुएला की थकी-हारी अर्थव्यवस्था और विभाजित समाज इस टकराव को संभाल पाएगा?

घटनाक्रम का आर्थिक आयाम कहीं अधिक व्यापक है. वेनेजुएला दुनिया के सबसे बड़े सिद्ध तेल भंडारों में से एक का मालिक है. ऐसे में अमेरिकी नेतृत्व द्वारा 'तेल संसाधनों के उपयोग' के संकेत वैश्विक तेल राजनीति के इरादों को साफ करते हैं. अभी तक तेल अवसंरचना को बड़ा नुकसान नहीं पहुंचा है, लेकिन अनिश्चितता और अस्थिरता वैश्विक बाजारों में दहशत पैदा करने के लिए पर्याप्त है. रूस और चीन द्वारा हस्तक्षेप की निंदा और कुछ पश्चिमी देशों द्वारा इसे 'लोकतंत्र की बहाली' बताना, विश्व राजनीति के ध्रुवीकरण को भी जाहिर करता है.

इस पूरे परिदृश्य में सबसे बड़ी चिंता आम नागरिकों की है. वेनेजुएला पहले ही आर्थिक संकट, महंगाई, पलायन और सामाजिक तनाव से जूझ रहा है. अब सैन्य हस्तक्षेप और सत्ता संघर्ष ने वहां के नागरिकों को और अधिक असुरक्षा में धकेल दिया है. क्या यह स्थिति देश को गृह-संघर्ष की ओर ले जाएगी ? या फिर सेना किसी बाहरी संरक्षित सत्ता-हस्तांतरण के आगे झुकेगी,यह आने वाला समय तय करेगा.

भारत जैसे लोकतांत्रिक और उभरती शक्ति वाले देश के लिए इस घटना से कई सबक निकलते हैं. पहला,वैश्विक राजनीति में नैतिकता और शक्ति के बीच संघर्ष अभी समाप्त नहीं हुआ है. दूसरा,संसाधन-आधारित भू-राजनीति आने वाले वर्षों में और तीव्र होने वाली है. और तीसरा,अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था तभी सार्थक होगी, जब संप्रभुता, संवाद और मानवता को सैन्य ताकत से ऊपर रखा जाएगा. वेनेजुएला का संकट केवल उसका नहीं, बल्कि वह आईना है जिसमें दुनिया को अपने 'वैश्विक न्याय' के दावों की सच्चाई देखनी होगी. अगर तेल के लिए हथियार ही अंतिम निर्णायक बनते रहे, तो लोकतंत्र और मानवाधिकार केवल भाषणों की शब्दावली बनकर रह जाएंगे.

विंध्य की डायरी

कांग्रेस को संजीवनी तो भाजपा के लिए आत्मचिंतन का अलार्म

डॉ. रवि तिवारी

निकाय एवं त्रि-स्तरीय पंचायत उप चुनाव में भाजपा की करारी हार के साथ कांग्रेस को संजीवनी मिली है. भाजपा खेमे में जहां खलबली मची है वहीं कांग्रेस उत्साहित नजर आ रही है. रीवा में पहली बार नगरीय निकाय में अध्यक्ष पद का चुनाव सीधे जनता के मतों के माध्यम से हुआ. सेमरिया परिषद अध्यक्ष पर कांग्रेस का कब्जा हो गया. यहां भाजपा को हार का मुंह देखना पड़ा. कांग्रेस की पदमा रोहणी कुशवाहा अध्यक्ष चुनी गई. वार्ड

पार्षद के उपचुनाव में भी भाजपा के हाथ जीत नहीं लगी. जिला पंचायत वार्ड 16 के उप चुनाव में भी कांग्रेस समर्थित प्रत्याशी ने जीत दर्ज की. पहले ही इम्तिहान में भाजपा जिला अध्यक्ष वीरेन्द्र गुप्ता असफल हो गये. उनके कार्यकाल का यह पहला चुनाव था जहां संगठन को साधने कार्यकर्ताओं में तालमेल बैठाने के साथ चुनावी समीकरण को साधने में असफल साबित हुए. कांग्रेस के विधायक अभय मिश्रा ने अपनी रणनीति पर सफल होते हुए भाजपा को मात दी. सेमरिया में हार के पीछे भाजपा के गुटो में बटा होना भी एक कारण है. वही ऊर्जाधानी में नगर निगम वार्ड 34 के पार्षद पद उप चुनाव में भाजपा को मिली करारी शिकस्त ने पार्टी संगठन की जड़ों को हिला कर रख दिया है. जिस वार्ड को भाजपा सुरक्षित मान कर चल रही थी वहां कांग्रेस की अप्रत्याशित जीत ने राजनीतिक समीकरण बदल दिये. यह जीत कांग्रेस के लिये संजीवनी साबित हुई है और भाजपा के लिये यह हार आत्ममंथन का अलार्म है. तो वहीं भाजपा जिलाध्यक्ष सुन्दरलाल शाह के लिये पहला बड़ा इम्तिहान था जिसमें पार्टी को करारा झटका लगा. इस हार के बाद पार्टी की जमकर किरकिरी हो रही है. दूसरी ओर कांग्रेस ने इस मौके को भुनाने में कोई कसर नही छोड़ी.

सांसद ने ली माला न पहनने की शपथ

अति महात्वाकांक्षी ललितपुर-सिंगरौली रेल परियोजना को लेकर युद्ध स्तर पर काम चल रहा है. पटरी बिछाने के साथ ट्रायल भी हो चुका है. इस बीच सीधी के सांसद ने एक अलग ही शपथ ली है. सीधी में एक कार्यक्रम के दौरान उन्होने शपथ ली कि जब तक सीधी जिला मुख्यालय में रेल का ट्रायल नहीं हो जाता वो किसी भी कार्यक्रम में माला नहीं पहनेंगे. शपथ से यह स्पष्ट हो गया है कि सीधी में रेल लाने वो कितने संजीदा है. उम्मीद है कि सांसद जी शपथ लेने के साथ अपने कार्यकाल के अंदर सीधी तक रेल गाड़ी पहुंचा कर ही दम लेंगे. फिलहाल रामपुर नैकिन व चुरहट के बीच ट्रैक बिछाने का कार्य जारी है. वर्षो पूर्व देखा गया सपना जल्द ही साकार होगा. सीधी में रेल पहुंचने के बाद यहां के विकास को भी गति मिलेगी.

बगैर कांग्रेस जिला अध्यक्ष के विरोध प्रदर्शन

इंदौर में दूषित पानी पीने से हुई मौत और प्रदेश सरकार के मंत्री कैलाश विजयवर्गीय के विवादित बयान के विरोध में रीवा में भी कांग्रेसियो ने घंटी बजाकर सांसद के शासकीय आवास से कुछ दूर पर विरोध प्रदर्शन किया. चंद कांग्रेसियो से कई गुना ज्यादा पुलिसबल तैनात था जिसके चलते सांसद के आवास गेट तक कांग्रेसी नही पहुंच पाए. शंख और घंटी बैरीकेट्स के बाहर ही बजाते रहे. दरअसल इस विरोध प्रदर्शन से जिलाध्यक्ष इंजी. राजेन्द्र शर्मा और महापौर अजय मिश्रा बाबा ने खुद को दूर रखा. जनता के हितो और उनके हको की लड़ाई लडने की बात करने वाले कांग्रेस नेता घर में मुंह छिपाकर बैठे थे, टीवी और मीडिया के सामने आकर जनता के हिमायती बनने वाले वह नेता भी विरोध प्रदर्शन से दूर थे जो टिकट की दावेदारी पर हक जताते है. सांसद के घर विरोध करने नहीं पहुंचे. कार्यकर्ता बगैर जिला मुखिया इंजी. राजेन्द्र शर्मा के सांसद के घर लिये कूच कर गए. नेतृत्व का दायित्व शहर अध्यक्ष अशोक पटेल ने सम्भाला. विधानसभा की टिकट के दावेदारो की सूची भले ही सैकड़ो के ऊपर हो, लेकिन सडक पर उतर कर विरोध करने की जब बात आती है तो आधा सैकड़ा भी कांग्रेस नेता नहीं दिखते. अब सवाल यह उठता है कि जब यह विरोध प्रदर्शन कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी के निर्देशन पर था तो फिर अति संवेदनशील मुद्दे को लेकर कांग्रेस के चाहे जिलाध्यक्ष हो या टिकट की लालसा रखने वाले नेता, सांसद का घर घेरने क्यो नहीं पहुंचे? क्या ऐसे में कार्यकर्ताओं का मनोबल नही टूटता.

ई-गवर्नेंस में मध्यप्रदेश के बढ़ते कदम

राजेंद्र शुक्ल

मध्य प्रदेश सरकार नागरिक सेवाओं को सरल सहज बनाने के लिए प्रतिबद्ध है. इसके लिए आधुनिक तकनीकों का प्रयोग किया जा रहा है. राज्य शासन की मंशानुसार मध्य प्रदेश फार्मेसी काउंसिल ने अपनी सभी प्रक्रियाओं का डिजिटलीकरण किया गया है. दवा ट्रैकिंग, ऑनलाइन लाइसेंसिंग जैसी डिजिटल प्रणालियों के सफल क्रियान्वयन से समस्त स्टेकहोल्डर्स को सहजता से सुविधाएं प्राप्त हो रही है. उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि मध्य प्रदेश फार्मेसी काउंसिल द्वारा किया गया यह डिजिटल नवाचार राज्य सरकार की डिजिटल गवर्नेंस और नागरिक-केन्द्रित सेवा की प्रतिबद्धता को सशक्त रूप से दर्शाता है. परिषद मैनुअल एवं विवेकाधीन व्यवस्था से आगे बढ़ते हुए नियम-आधारित, स्वचालित एवं तकनीक-संचालित प्रणाली की ओर सफलतापूर्वक अग्रसर हुई है. फार्मासिस्ट पंजीकरण एवं नवीनीकरण की प्रक्रियाओं का सरलीकरण, पारदर्शिता एवं समयबद्धता युवाओं और पेशेवरों को सुविधा प्रदान कर रही है, साथ ही मजबूत एवं विश्वसनीय डेटाबेस के निर्माण में भी सहायक सिद्ध हो रही है. उन्होंने परिषद के सदस्यों, विभागीय अधिकारियों को इस प्रयास के लिए बधाई दी है और पारदर्शिता के साथ उच्च गुणवत्ता की सुविधाओं का सतत रूप से प्रदाय सुनिश्चित करने का आह्वान किया है.

मध्य प्रदेश फार्मेसी काउंसिल के अध्यक्ष श्री संजय जैन ने बताया कि फार्मासिस्ट पंजीकरण, नवीनीकरण एवं फार्मेसी पंजीकरण से संबंधित प्रक्रियाओं को सरल, पारदर्शी, समयबद्ध, नागरिक-केन्द्रित एवं विधिसम्मत बनाने के उद्देश्य से व्यापक डिजिटल एवं प्रणालीगत सुधार लागू किए गए हैं. ये सभी सुधार फार्मेसी अधिनियम, 1948 एवं फार्मेसी काउंसिल ऑफ इंडिया के प्रावधानों के अनुरूप हैं, जिससे परिषद की कार्यप्रणाली अधिक प्रभावी, उत्तरदायी एवं आधुनिक बनी है. वर्ष 2023 में 2 हज़ार 889, वर्ष 2024 में 2 हज़ार 297, जनवरी से मई 2025 के दौरान 970 तथा जून से दिसंबर 2025 के दौरान 5 हज़ार 536 प्रकरणों का निराकरण किया गया. वर्ष 2025 में कुल 6,500 से अधिक प्रकरणों में कार्यवाही पूर्ण की गई. इसी अवधि में परिषद द्वारा 8 हज़ार से अधिक आवेदन-पत्रों की प्रोसेसिंग की गई, जो कि पूर्व वर्षों की तुलना में लगभग ढाई से तीन गुना अधिक है. नई डिजिटल एवं पूर्व-सत्यापन आधारित प्रणाली के प्रभावी क्रियान्वयन के परिणामस्वरूप 2 हज़ार 199 अभ्यर्थियों को परिषद कार्यालय आए बिना, घर बैठे ही पंजीकृत फार्मासिस्ट का प्रमाणपत्र जारी किया गया. इस प्रक्रिया में शैक्षणिक योग्यताओं का सत्यापन डिजीलॉकर से, आवेदक की पहचान का सत्यापन समग्र आईडी, डोमिसाइल एवं एफडीए लाइसेंस के एपीआई के माध्यम से स्वचालित रूप से किया जा रहा है, जिससे अभ्यर्थियों के समय, यात्रा एवं आर्थिक व्यय में उल्लेखनीय बचत हुई है. पूर्व में पंजीकरण एवं नवीनीकरण की प्रक्रियाएँ मैनुअल एवं कागज़-आधारित थीं, जिनमें बिना पूर्व-सत्यापन के आवेदन स्वीकार किए जाते थे और दस्तावेज़ों का अनिवार्य भौतिक सत्यापन किया जाता था. शैक्षणिक योग्यताओं का सत्यापन डाक अथवा मेल के माध्यम से कॉलेजों से प्राप्त होने के कारण प्रकरण लंबे समय तक लंबित रहते थे. इसके परिणामस्वरूप लंबित मामलों में वृद्धि, अत्यधिक कागज़ी कार्य, कर्मचारी के विवेक पर निर्भरता और डेटा असंगति जैसी समस्याएँ उत्पन्न होती थीं. वर्तमान व्यवस्था में पंजीकरण, नवीनीकरण एवं सुधार के लिए पूर्णतः ऑनलाइन एवं मानकीकृत मॉड्यूल लागू किए गए हैं. पंजीकरण में पूर्व-सत्यापन के बाद ही आवेदन एवं शुल्क भुगतान की सुविधा प्रदान की गई है. नवीनीकरण प्रक्रिया को पारदर्शी बनाया गया है तथा नाम, पिता का नाम अथवा जन्मतिथि में अंतर होने की स्थिति में सॉफ्ट वेरीफिकेशन के माध्यम से आवेदन की अनुमति दी गई है. इसके अतिरिक्त, नाम, पिता का नाम एवं जन्मतिथि जैसी प्रविष्टियों में सुधार हेतु समर्पित ऑनलाइन करेक्शन मॉड्यूल के माध्यम से लीगेसी डेटा को शुद्ध एवं अद्यतन किया जा रहा है. इन डिजिटल एवं प्रणालीगत सुधारों के परिणामस्वरूप लंबित मामलों में उल्लेखनीय कमी आई है, डेटा की गुणवत्ता, एकरूपता एवं विश्वसनीयता सुनिश्चित हुई है और प्रशासनिक भार में कमी के साथ-साथ पारदर्शिता एवं जवाबदेही में वृद्धि हुई है.

(लेखक मध्यप्रदेश के उपमुख्यमंत्री हैं)

विमान चालकों की ट्रेनिंग सुविधा बढ़ाएं

विमान यात्रियों की बढ़ती तादाद को देखते हुए विमान चालकों की तादाद में वृद्धि करना आवश्यक हो गया है. ऐसे मामले हुए हैं जब अपनी उड़ान की समय सीमा पूरी हो जाने के बाद पायलट ने अगली उड़ान के लिए मना कर दिया. पिछले 5 वर्षों में 5,710 कमर्शियल पायलट लाइसेंस जारी हुए है. इस समय देश की एयरलाइंस में 12,000 पायलट हैं लेकिन उड़ानों की संख्या बढ़ी है तथा विमान यात्रियों की भीड़ भी बढ़ती जा रही है. हालत यह कि हवाई अड्डे बस स्टैंड जैसे नजर आने लगे हैं. भारत विश्व का तेजी से बढ़ता एविएशन मार्केट है. 2024 में 23 करोड़ लोगों ने विमान यात्रा की. इसलिए विमान सेवाओं को सुचारू बनाए रखने के लिए ग्राउंड ड्यूटी स्टाफ के साथ ही पायलटों की संख्या में पर्याप्त वृद्धि आवश्यक है.

भारत में पायलट ट्रेनिंग व्यवस्था की कमी है इसलिए 40 प्रतिशत कमर्शियल पायलट विदेश से ट्रेनिंग लेकर आते हैं. पायलटों की मांग दुनिया भर में है. गत वर्ष जर्मन एयरलाइंस लुफ्थंसा ने 800 नए पायलटों की भर्ती की घोषणा की थी. 2019 में बोइंग ने अनुमान लगाया था कि 2040 तक समूचे विश्व में 6,45,000 नए पायलटों की जरूरत पड़ेगी. अभी भी कुछ एयरलाइन रिटायर हो चुके लेकिन स्वस्थ पायलटों की सेवा ले रही हैं. भारत के लिए आवश्यक है कि बड़े पैमाने पर विश्वस्तरीय पायलट ट्रेनिंग क्षेत्र में निवेश करे. यद्यपि वायुसेना के निवृत्त पायलट भी सिविल एविएशन में आना चाहते हैं लेकिन बड़े यात्री विमान को उड़ाने के लिए अलग तरह से प्रशिक्षण लेना पड़ता है. हाल ही में न्यूनतम उड़ान घंटों से संबंधित नियमों की वजह से भी पायलटों की तादाद में कमी पड़ गई. एयरलाइंस को सक्षम बनाने के लिए अन्य पहलुओं पर भी ध्यान देना होगा.

भारत में पायलट ट्रेनिंग व्यवस्था की कमी है इसलिए 40 प्रतिशत कमर्शियल पायलट विदेश से ट्रेनिंग लेकर आते हैं. पायलटों की मांग दुनिया भर में है. गत वर्ष जर्मन एयरलाइंस लुफ्थंसा ने 800 नए पायलटों की भर्ती की घोषणा की थी. 2019 में बोइंग ने अनुमान लगाया था कि 2040 तक समूचे विश्व में 6,45,000 नए पायलटों की जरूरत पड़ेगी.

संपादकीय बोर्ड | प्रबंध संपादक : सुमीत माहेश्वरी, समूह संपादक : क्रांति चतुर्वेदी

निशानेबाज

राहुल को भगवान राम बताया नाना पटोले ने कुछ भी पटाया

पड़ोसी ने हमसे कहा, निशानेबाज, हमने एक गीत सुना था जिसके बोल थे-देखो ऐ दीवानो ऐसा काम ना करो, राम का नाम बदनाम ना करो. इस समय महाराष्ट्र कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष नाना पटोले ने राहुल गांधी को भगवान राम बता दिया. यह कैसी चापलूसी है?

हमने कहा, कांग्रेस के नेताओं का पहले से यह हाल रहा है. इंदिरा गांधी की चाटुकारिता करते हुए तत्कालीन कांग्रेस अध्यक्ष देवकांत बरूआ ने कहा था-इंडिया इज इंदिरा एंड इंडिया इज इंदिरा! नाना पटोले ने कहा कि जिस तरह भगवान राम ने दबे-कुचले, पीड़ित वंचितों के लिए काम किया उसी तरह राहुल गांधी भी पूरे देश में गरीबों और दलितों की आवाज मजबूती से उठा रहे हैं. इस तरह की चमचागिरी अन्य पार्टियों में भी मिलेगी. आपको याद दिला दें कि जब जनता पार्टी की सरकार थी तब राज नारायण ने चौधरी चरणसिंह को राम और खुद को उनका हनुमान बताया था. इसी बीजेपी सांसद प्रदीप पुरोहित ने लोकसभा में दावा किया था कि प्रधानमंत्री

नरेंद्र मोदी पूर्व जन्म में छत्रपति शिवाजी महाराज थे. यह रहस्य उन्हें गंधमर्दन पहाड़ी क्षेत्र में रहनेवाले संत गिरिजा बाबा ने बताया था. पड़ोसी ने कहा, निशानेबाज, यदि बीजेपी सांसद ने मोदी का महिमामंडन किया तो इसमें आश्चर्य की कौन सी बात है! स्वयं मोदी को भी अपने दिव्य स्वरुप की भावनात्मक अनुभूति हुई थी तभी तो उन्होंने कहा था कि मुझे लगता है कि मैं बायोलॉजिकल नहीं हूं. उन्होंने मां गंगा से गहरा नाता जोड़ रखा है. बीजेपी के भक्तजन चाहें तो भीष्म पितामह के समान मोदी को भी गंगापुत्र कह सकते हैं.

हमने कहा, नाना पटोले ने अपनी दिव्य दृष्टि से सफेद टी शर्ट और जीन्स पहनने वाले राहुल गांधी में नीलवर्ण और पीतांबरधारी भगवान राम के दर्शन कर लिए. हिंदू धर्म में पुनर्जन्म की मान्यता है. सत्यनारायण की कथा के 5वें अध्याय में बताया गया है कि महाराजा अल्कामुख अगले जन्म में राजा दशरथ बने. लकड़हारा अगले जन्म में केवट बना और अपनी नाव से भगवान राम को गंगा पार कराई. आपको नाना पटोले की बात नहीं पटती तो जाने दीजिए.

शब्द-सागर : डॉ. सागर खादीवाला

CROSS WORD 12131 - डॉ. सागर खादीवाला

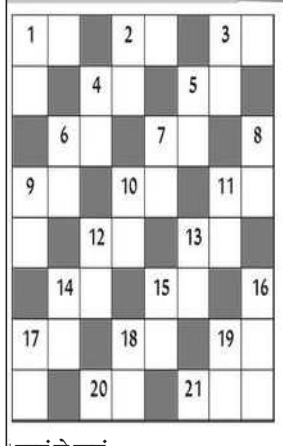

बाएं से दाएं
1. वह भूमि जिसमें अन्न उपजाने के लिए जोतते-बोते हैं 2. वह अंग जिसके द्वारा प्राणी चलते-फिरते हैं 3. डर 4. हावभाव, नखरा (उर्दू) 5. करतल ध्वनि, चाबी 6. खीसा 7. एक घास 9. सफेद कुम्हडा 10. मर्तबा, दफा 11. परिमाण, नापतोल आदि, अभिमान, 12. वीर बहादुर, वह जो धर्म के लिए युद्ध करे (उर्दू) 13. पिता, मरे हुए पूर्वज 14. स्वभाव की प्रवृत्ति, मिजाज, उत्तम स्वभाव या आचरण 15. कुर्सी-चौकी-मेज, पलंग आदि के नीचे लगे हुए छोटे खंभे जिनके सहारे इनका ढांचा खड़ा रहता है 17. तंतु, महीन सूत (उर्दू). 18. शब्द का अभिप्राय, मतलब 19. अग्नि, जलन 20. संसार, जग 21. भागा हुआ (उर्दू)

ऊपर से नीचे
1. क्रीडा, तमाशा, 2. उत्पत्र, नवप्रसूत, उपार्जित (उर्दू) 3. जो स्वभाव से अच्छी हो 4. इस समय, अभी 5. चमक, सामर्थ्य (उर्दू) 6. बड़ा, अग्रज 7. फासले पर, जो निकट न हो 8. अंत:करण की वह वृत्ति, जिससे संकल्प-विकल्प होता है, इच्छा, इरादा, विचार 9. वृक्ष 10. शर्त, दांव 11. माता 12. कपोल 13. पति, स्वामी 14. कांच, दर्पण, आईना 15. राजा, पृथ्वीपति, अर्जुन का एक नाम 16. समंदर 17. बालू 18. घोड़ा 19. लकड़ी चीरने का औजार

Solution 12130

प्र	ज्ञ	ल	न		दे	व	ता
ग	ल		या	या	व	र	
ति	न	क्त			र	मा	ना
	शी	त	ल	ता		ला	श
पा	ल	ना		प			
श्वं			वि	मा	न	त	ल
ना	मो	नि	शा	न		बे	ड़ा
थ	ल		ल		श	ला	का

ज्योतिषाचार्य पंडित प्रियंका नारायणशंकर व्यास, कोतवाली बाजार, जबलपुर (म.प्र.)

आज जिनका जन्मदिन है

वर्ष के प्रारंभ में अत्याधिक परिश्रम केबाद आंशिक सफलता मिलेगी, मित्र के कारण विवाद होगा, मान प्रतिष्ठा के प्रति सचेत रहें, मन में खिन्नता रहेगी, वर्ष के मध्य में घरेलू कार्यो में रूचि रहेगी, बैचारिक वाद विवाद होगा, सत्संग में मन शांत रहेगा, वर्ष के अन्त में राजनैतिक मित्र का सहयोग रहेगा, व्यवसाय में वृद्धि होगी. मेष और वृश्चिक राशि के व्यक्तियों को शासन से लाभ होगा, वृष और तुला राशि के व्यक्तियों को सत्ता का सुख रहेगा, कर्क राशि के व्यक्तियों को सहयोग मिलेगा,सिंह राशि के व्यक्तियों को शिक्षा में रूचि रहेगी, मकर और कुंभ राशि के व्यक्तियों को अधिकारी के कोप का सामना करना पड़ेगा, धनु और मीन राशि के व्यक्तियोंको नवीन योजनों में पूँजी निवेश होगा, मिथुन और कन्या राशि के व्यक्तियों का सहयोग और सुख शांति रहेगी.

आज जन्मे शिशु का भविष्य

आज जन्म लिया बालक हष्टपुष्ट सुन्दर एवं मिलनसार होगा. मित्रों की संख्या सीमित होगी. खेलों के प्रति रूचि रखने वाला न्यायप्रिय होगा. किसी विशेष विद्या का ज्ञाता होगा. माता पिता को जीवन में सुखी रखेगा.

उदयकालीन ग्रह चाल

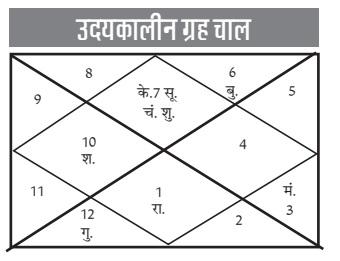

पंचांग

रा.मि. 15 संवत् 2082 माघ कृष्ण द्वितीया चन्द्रवासरे दिन 12/33, पुष्य नक्षत्रे शाम 4/23, विष्कुम्भ योगे रात 2/14, गर करणे सू.उ. 6/46, सू.अ. 5/14, चन्द्रचार कर्क, शु.रा. 4,6,7,10,11,2 अ.रा. 5,8,9, 12,1,3 शुभांक- 6,8,2.

व्यापार भविष्य

माघ कृष्ण द्वितीया को पुष्य नक्षत्र के प्रभाव से सोना, चांदी, रूई, कपास, सूत, बिनौला, सन, सरसों, अरंडी, मूँगफली, घी, तेल, में, मंदी की चाल चलेगी, गेहूँ, जौ, चना, गुड, खांड, जायफल, हल्दी, में तेजी होगी. भाग्यांक 2489 है.

मेष- रोजगार को लेकर परेशानी होगी. भूमि भवन वाहन क्रय की संभावना है. परिश्रम की अधिकता रहेगी. साहस पराकम बना रहेगा. नियमितता बनी रहेगी.

वृषभ- भौतिक सुख साधन जुटाने में खर्च संभव है. अध्ययन में आ रही बाधा दूर होगी. धार्मिक कार्यों में रूचि रहेगी. पद प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी.

मिथुन- बच्चों की पढाई कैरियर को लेकर चिन्ता होसकती है. अदालती मामले से दूर रहें. नौकरी में कार्यो की अधिकता रहेगी. व्यवसायिक क्षेत्र में सफलता मिलेगी.

कर्क- दौड़ धूप करके काम करवा लेंगे. जिम्मेदारी से बचने के चक्कर में अधिकरियों की नाराजगी झेलना पड़ेगी. प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी. परिश्रम की अधिकता रहेगी.

सिंह- कार्य योजना में बदलाव संभव है. चापलूसों से सावधानी रखें. अधिकारियों से अनुबंध का लाभ प्राप्त होगा. अनावश्यक विवादों को टालना हितकर रहेगा.

कन्या- आप पूरे उत्साह से कार्य करेंगे, जो लोग पहिले विरोध कर रहे थे, वे सहयोग के लिये वृश्चिक आयेंगे. नवीन अनुबंधों का लाभ होगा.

तुला- अपनों की मदद से मन को खुशी होगी. वैभव के सामान पर खर्च होगा. आपके बने बनाये कार्य अचानक रूक सकते हैं. महिला पक्ष की सलाह लेना उपयोगी रहेगी.

वृश्चिक- मामूली बात विवाद का रूप ले सकती है, जिद्दी रवैया वृश्चिके बढ़ने में बाधक रहेगा. कार्यो में मनोवांछित सफलता मिलेगी. रूका पैसा मिलेगा.

धनु- धार्मिक कार्यो में खर्च की संभावना, हालात में शांति बनाये रखें. मानसिक प्रसन्नता रहेगी. लाभ के अवसर प्राप्त होंगे. साहस पराक्रम बना रहेगा.

मकर- आय के नये श्रोत बढेंगे. जरूरतमंदों की मदद करके खुशी होगी. सामाजिक प्रतिष्ठा एवं लाभदायक कार्य बनेंगे. मनोरंजन के अवसर मिलेंगे.

कुम्भ- लेनदेन के मामले में आपका पक्ष कमजोर पड़ सकता है. जकर्क जायजाद के कार्यो में विलंब होगा. अनावश्यक विवादों से बचने का प्रयास करें.

मीन- किसी के प्रति ज्यादा झुकाव परिवार में कलह का कारण बन सकता है. कार्यो में आशातीत सफलता मिलेगी. महत्वपूर्ण कार्य बनेंगे. दूर दराज की यात्रा होगी.

SUDOKU 7263

	8	1				2	5	
2								9
5			1		7	4		
9	5			4			2	
		3	9		6	7		
	7			8			1	5
		7	2		5			1
6								7
	1	5				6	9	

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक है. इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है. आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 333 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें. ■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते. ■ पहेली का केवल एक ही हल है.

नवभारत सू-दोकू 7262

5	9	4	2	3	6	1	8	7
8	7	3	1	4	5	2	9	6
6	1	2	8	7	9	3	5	4
1	6	7	9	8	2	4	3	5
3	8	5	4	1	7	6	2	9
2	4	9	6	5	3	7	1	8
7	5	6	3	9	1	8	4	2
4	2	1	5	6	8	9	7	3
9	3	8	7	2	4	5	6	1